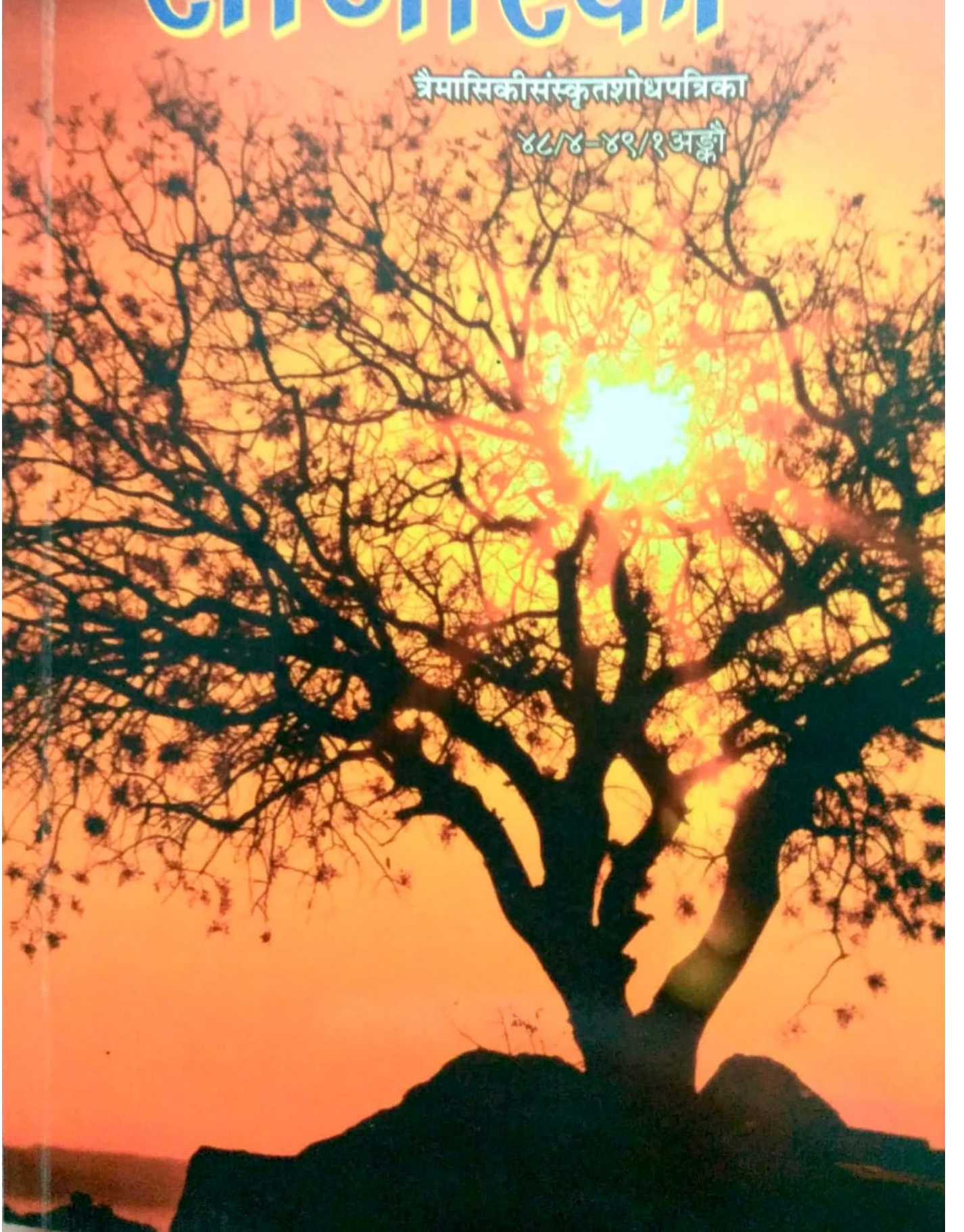


ISSN 2229 - 5577

# सागरिका

त्रैमासिकीसंस्कृतशोधपत्रिका

४८/४-४९/१ अङ्कौ



# सागरिका

त्रैमासिकीसंस्कृतशोधपत्रिका

४८/४-४९/१ अङ्कौ, विक्रमसंवत् २०७४-२०७५, मार्च २०१८

अष्टचत्वारिंशद्वर्षे चतुर्थाङ्कः - एकोनचत्वारिंशद्वर्षे प्रथमाङ्कश्च

संस्थापक संपादकः

स्व. रामजी उपाध्यायः

प्रधानसम्पादकः

राधावल्लभत्रिपाठी

सम्पादकः

आनन्दप्रकाशत्रिपाठी

प्रबन्धसम्पादकः

शशिकुमारसिंहः

सम्पादकमण्डलम्

नौनिहालगौतमः, सञ्जयकुमारः, रामहेतगौतमः, किरण आर्या

सागरिकासमितिः

संस्कृतविभागः

डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः, सागरम् (म.प्र.)

## अनुक्रमः

|                                                                                                    |    |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| भवभूतिनाटकेषु वर्णितस्य भगवतः कालप्रियनाथस्य<br>स्वरूपस्थानयो नूतनः प्रकाशः<br>वासुदेवविष्णुमिराशी | ९  |
| पद्मावती<br>वासुदेव विष्णु मिराशी                                                                  | १३ |
| त्रयोदशसंस्कृत-रूपकाणां भासकर्तृत्वे शङ्का<br>रसिकबिहारी जोशी                                      | १९ |
| एको रसः करुण एव<br>बच्चूलालः अवस्थी                                                                | ४८ |
| भवभूतेः सामाजिक चेतना<br>रहसविहारी द्विवेदी                                                        | ५३ |
| भासस्य वार्णिकबिम्बानि<br>अयोध्याप्रसाद द्विवेदी                                                   | ६८ |
| भवभूतेर्नाट्यशास्त्रीयाः प्रयोगविशेषाः<br>विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रः 'विनयः'                        | ७३ |
| उत्तररामचरिते शिरोऽभिनयाः<br>मिथिलाप्रसादत्रिपाठी                                                  | ८२ |
| प्रतिमानाटके छायावत्त्वम्<br>कुसुम भूरिया                                                          | ९१ |
| भासनाटकगुणदोषपरिगणनम्<br>कालूरि हनुमन्तरावः                                                        | ९४ |

|                                                                    |     |
|--------------------------------------------------------------------|-----|
| महाकविभवभूते: समाजचेतना<br>बालकृष्णशर्मा                           | १०१ |
| भवभूते: नाट्यकलाया: सूक्ष्मनिरीक्षणम्<br>बालकृष्णशर्मा             | १०८ |
| कालिदासभवभूत्यो: काव्यबिम्बानुप्रेक्षा<br>बुद्धदेवशर्मा वेदाचार्य: | ११५ |
| भवभूतेर्वैदिकपाण्डित्यम्<br>नौनिहालगौतम:                           | १५८ |
| उत्तररामचरितेऽलङ्कारविन्यासः<br>राघवेन्द्रशर्मा                    | १६८ |
| उत्तररामचरिते समाज: संस्कृतिश्च<br>प्रदीप दुबे                     | १७४ |
| उत्तररामचरिते हास्यरसः<br>दिव्याक्षकुमार पण्ड्या                   | १८१ |
| भास-नाटकेषु समुदाचारः<br>गायत्री देव                               | १८४ |